श्री के.सी. त्यागी : *

श्री उपसभापति : नाराज होने से क्या फायदा है? आप मेरे दोस्त हैं, नाराज मत होइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री के.सी. त्यागी : *

Issue concerning teachers, students and employees of Allahabad University

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाने वाला है इलाहाबाद विश्वविद्यालय आज अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अब इसका नाम दूर तक नजर नहीं आता है। हालत यह है कि शिक्षक, कर्मचारी और छात्र सभी विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मुखर हैं। आज इनका धरना एवं प्रदर्शन चल रहा है। संघटक महाविद्यालयों के प्रति इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन की विभेदकारी, उपेक्षापूर्ण और अन्यायपूर्ण नीतियों के कारण महाविद्यालयों में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन जानबूझकर किसी न किसी बहाने विगत लगभग 9 वर्षों से 11 संघटक महाविद्यालयों के 110 शिक्षकों की पदोन्नति और नये शिक्षकों की भर्ती रोके हुए है और इससे भी दुखद बात यह है कि सभी शिक्षकों की अब दो-दो पदोन्नतियां बाकी हैं। शिक्षकों के लगभग 40 प्रतिशत पद रिक्त हैं। अनेक विभाग बिना शिक्षकों के हैं और उनसे कहीं अधिक कर्मचारियों के पद रिक्त हैं।

विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की सीटें सीमित हैं, फिर भी संघटक महाविद्यालयों को स्नातकोत्तर कक्षाएं चलाने की अनुमति नहीं है। वर्ष 2014-15 से सुपरन्यूमररी कोटे के तहत विश्वविद्यालय में महाविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों के पाल्यों को लाभ नहीं मिलेगा। यह नियम विश्वविद्यालय एक्ट तथा आर्डिनेंस की मूल भावना के खिलाफ है, कर्मचारियों और शिक्षकों को पाल्यों के मूल अधिकारों का हनन करता है और यह बेहद अन्यायपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण है। महाविद्यालयों के आधारिक सुविधाओं को टोटा हो गया है। संसाधनों एवं अनुदान के अभाव में पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाएं पुरानी पड़ती जा रही हैं, खेल सुविधाएं कम होती जा रही हैं। और नये छात्रावासों की घोर आवश्यकता होने के बावजूद उनका निर्माण नहीं हो पा रहा है। मैंने नवम्बर, 2012 और फिर फरवरी, 2014 में विशेष महत्व के विषय के अंतर्गत यह मुद्दा इस सदन में उठाया था, परन्तु इस पर सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अतः मान्यवर, इस सदन के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्री से पुनः यह मांग करता हूं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 11 संघटक महाविद्यालयों की समस्याओं को हल करने के लिए कुलपति को सख्त आदेश दिए जाएं।

---

*Not recorded.

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार) : महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

جناب غلام رسول بلیاوی (بہار) : مہودے، میں اس وشے سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

Re. Incident at new Maharashtra Sadan

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : महोदय, दिल्ली के अंदर न्यू महाराष्ट्र सदन की घटना है। आज के इंडियन एक्सप्रेस में प्रमुखता से यह खबर छपी है। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता, किसी दल का भी नाम नहीं लेना चाहता।...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (DR. NAJMA A. HEPTULLA) : You raised this point in the morning to adjourn the House. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : महोदय, कुछ माननीय सांसद वहां जाते हैं और कहते हैं कि महाराष्ट्रीय फूड हमको परोसा जाना चाहिए। महोदय, इसमें कोई गलत बात नहीं है, कोई राजस्थानी फूड मांग सकता है, कोई बिहारी फूड मांग सकता है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ANIL DESAI (Maharashtra) : Sir, if you allow him, then, you please also allow me. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Let us hear him. Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : लेकिन जो वहां सुपरवाइजर है, सर, उसका नाम * है, वह आई.आर.सी.टी.सी. के अंतर्गत है।...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The name is expunged. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI : Sir, you also allow me to speak on this issue. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : वह कहता है कि इस तरह की दिक्कत है। हम लोगों ने 17 तारीख को कमिश्नर को इसकी रिपोर्ट की है कि यहां क्या दिक्कत है। ...(**व्यवधान**)... लेकिन वे लोग गुस्से में आकर के ...(**व्यवधान**)... वह चिल्लाता रहता है कि हमारा रोजा है...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

†Transliteration in Urdu Script.